SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

धैर्य के बारे में बाइबल क्या कहती है? — नींव · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों सहित केजेवी शास्त्र

THE FOUNDATION · THE ORIGINAL STUDY, SET IN THE ANCIENT ORDER

धैर्य — आधारभूत बाइबल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

सुनिए धीरज क्या है, और यह किसी व्यक्ति में कैसे आता है। यह एक ही दिन में एकाएक नहीं दिया जाता; यह तुम्हारे विश्वास की परीक्षा के द्वारा तुम्हारे भीतर उत्पन्न किया जाता है। पुराना यूनानी शब्द है ह्यूपोमोने (G5281, patience) — नीचे टिके रहना, एक धीरजपूर्ण सहनशीलता। परीक्षा आती है, और जो व्यक्ति उसके अपना काम पूरा कर लेने तक उसके नीचे टिका रहता है, वह सिद्ध और सम्पूर्ण होकर किसी बात में घटी हुआ नहीं रहता। परन्तु धीरज अकेला नहीं बढ़ता। इसे सारी रीति की तत्परता से, उस क्रम में जो परमेश्वर ने ठहराया है, बढ़ाना अवश्य है — संयम के बाद, भक्ति से पहले। और एक शत्रु है: शैतान वचन को हृदय से उठा लेने के लिए फुर्ती से आता है, इससे पहले कि वह बढ़ सके। झूठे भविष्यद्वक्ता भी हैं, जो अपने फलों से पहचाने जाते हैं, अपनी बातों से नहीं; और खरा उपदेश है, जिसे खुजलाने वाले कान सहन नहीं करेंगे। धीरज को वचन की रखवाली करनी है, फल को परखना है, और जब शरीर कल्पित कहानियों की ओर मुड़ना चाहे, तब खरे वचन को धारण करना है। और जब आग की परीक्षा आती है, तो धीरज इसे अनोखा नहीं समझता, बल्कि आनन्दित होता है; क्योंकि सर्वशक्तिमान का ताड़ना अभी तो दुखदायी है, परन्तु बाद में वह धार्मिकता का शान्तिमय फल देता है। दृढ़ खड़े रहो। जो धीरज धरता है, वह जीवन का मुकुट पाएगा। इसे खोज लो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. धैर्य किसी व्यक्ति में कैसे आता है, और उसका पूर्ण कार्य उसे कैसा छोड़ता है?
2. धैर्य को क्या सहना और परखना चाहिए — और झूठे भविष्यद्वक्ता को कैसे पहचाना जाता है?
3. जो लोग सहते हैं, उनके लिए परीक्षा और ताड़ना का क्या फल होता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"धैर्य" — **G5281 hupomone** — सहनशीलता, स्थिरता, धैर्यपूर्ण दृढ़ता
"धैर्य को अपना सिद्ध कार्य करने दो"

"कोशिश करना" — **G1383 dokimion** — एक परीक्षा, एक जाँच, एक परखा जाना
तुम्हारे विश्वास की परीक्षा धीरज उत्पन्न करती है

"सहता है" — **G5278 hupomeno** — सहना, टिके रहना, परीक्षाओं को धारण करना, स्थिर रहना
धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा में धीरज धरता है

“सहना” — **G430 anechomai** — स्वयं को सहारा देना, सहन करना, धीरज रखना, सहना
वे खरा उपदेश सहन न करेंगे

“अनुशासन” — **G3809 paideia** — प्रशिक्षण, निर्देश, पोषण, अनुशासनात्मक सुधार
यह धार्मिकता का शांतिमय फल उत्पन्न करता है

हिब्रू मुख्य शब्द

“सुधारता है” — **H3198 yakach** — समझाना, विश्वास दिलाना, डाँटना, आपस में तर्क करना
जो मनुष्य ऐसा है जिसे परमेश्वर ताड़ना देता है, वह धन्य है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस अध्ययन में "सहना" शब्द दो बार आता है, और यह एक ही शब्द नहीं है। hupomeno (G5278, सहता है) का अर्थ है नीचे बने रहना, टिके रहना — जो धैर्य स्वयं, hupomone (G5281) से निकटता से संबंधित है, क्योंकि दोनों G5259, नीचे, और G3306, टिके रहना, पर आधारित हैं: एक नीचे बने रहना। जो व्यक्ति परीक्षा को सहता है वह परीक्षा के अपना काम पूरा करने तक उसके नीचे बना रहता है। anechomai (G430, सहना) का अर्थ है बर्दाश्त करना, झेलना — खरे सिद्धांत को बर्दाश्त किया जाना चाहिए, और खुजलाने वाले कान उसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। परीक्षा के नीचे बने रहना होगा; खरे वचन को बर्दाश्त किया जाना होगा। धैर्य दोनों करता है।)

खुलने वाला लंगर

याकूब 1:2-4 हे मेरे भाइयों, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो **[G5281 hupomone ⚑] [G5281 hupomone ⚑] [G1383 dokimion ⚑]** (3) यह जानकर, कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है। (4) पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो, कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ और तुम में किसी बात की घटी न रहे।

धैर्य तुम्हारे विश्वास की परीक्षा के द्वारा तुम में उत्पन्न होता है, और जब उसे अपना काम पूरा करने दिया जाता है, तो वह तुम्हें सिद्ध और सम्पूर्ण छोड़ता है, जिसमें किसी बात की घटी नहीं होती।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इसे सम्पूर्ण आनन्द समझो: परीक्षा तुम्हें तोड़ने के लिए नहीं भेजी गई है। dokimion (G1383, परखना) एक परीक्षण है, जिस प्रकार चाँदी को परखा जाता है; तुम्हारे विश्वास की परीक्षा धीरज उत्पन्न करती है, और धीरज को अपना काम पूरा करने दिया जाए तो वह तुम्हें किसी बात में घटी हुआ नहीं छोड़ती। उसे अपना काम करने दो।)

I. धैर्य के बढ़ने से पहले परिश्रम को जोड़ा जाना चाहिए, और शत्रु वचन को चुरा लेता है

A. 2 पतरस 1:5-7 और इसी कारण तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण, और सद्गुण पर समझ **[G5281 hupomone ⚑]** (6) और समझ पर संयम, और संयम पर धीरज, और धीरज पर भक्ति (7) और भक्ति पर भाईचारे की प्रीति, और भाईचारे की प्रीति पर प्रेम बढ़ाते जाओ।

धीरज केवल दिए जाने से नहीं मिलता — यह परिश्रम के द्वारा, क्रम में, संयम के बाद और भक्ति से पहले जोड़ा जाता है।

B. 2 पतरस 1:8 क्योंकि यदि ये बातें तुम में वर्तमान रहें, और बढ़ती जाएँ, तो तुम्हें हमारे प्रभु यीशु मसीह की पहचान में निकम्मे और निष्फल न होने देंगी।

परिश्रमपूर्वक वृद्धि करना तुम्हें फलवन्त बनाता है; इसका अभाव तुम्हें निष्फल छोड़ देता है।

C. लूका 8:11-12 “दृष्टान्त का अर्थ यह है: बीज तो परमेश्वर का वचन है। (12) मार्ग के किनारे के वे हैं, जिन्होंने सुना; तब शैतान आकर उनके मन में से वचन उठा ले जाता है, कि कहीं ऐसा न हो कि वे विश्वास करके उद्धार पाएँ।

शैतान तुरन्त आता है, कि उस वचन को हृदय में से चुरा ले, इस से पहिले कि वह बढ़कर विश्वास और उद्धार में परिणत हो सके।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — शत्रु की जल्दबाज़ी को देखो: बीज बोया जाता है, और शैतान आता है ताकि वचन को हृदय से निकाल ले, ताकि वे विश्वास न करें और उद्धार न पाएँ। जो परिश्रम जोड़ता है, शैतान उसे छीनना चाहता है; इसलिए वचन को थामे रहो, और उसे धीरज के साथ थामे रहो।)

II. धैर्य को क्या सहना और परखना चाहिए — झूठे शिक्षक और कठिन सिद्धांत

A. मत्ती 7:15-16,20 “झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अन्तर में फाड़नेवाले भेड़िए हैं। (यहे. 22:27) (16) उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे। क्या लोग झाड़ियों से अंगूर, या ऊँटकटारों से अंजीर तोड़ते हैं? (20) अतः उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।

झूठे भविष्यद्वक्ता उनके दावों से नहीं, परन्तु उनके फलों से पहचाने जाते हैं।

B. 2 तीमुथियुस 4:3-4 क्योंकि ऐसा समय आएगा, कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुत सारे उपदेशक बटोर लेंगे। **[G430 anechomai ⚑]** (4) और अपने कान सत्य से फेरकर कथा-कहानियों पर लगाएँगे।

खरे सिद्धांत को सहना चाहिए, क्योंकि यह शरीर की अभिलाषाओं के विरुद्ध युद्ध करता है।

C. तीतुस 1:10-11 क्योंकि बहुत से अनुशासनहीन लोग, निरंकुश बकवादी और धोखा देनेवाले हैं; विशेष करके खतनावालों में से। (11) इनका मुँह बन्द करना चाहिए: ये लोग नीच कमाई के लिये अनुचित बातें सिखाकर घर के घर बिगाड़ देते हैं।

कई झूठे शिक्षक इसमें पैसे के लिए लगे हैं, और उनके मुँह बन्द किए जाने चाहिए।

D. मत्ती 7:21-23 “जो मुझसे, ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। (22) उस दिन बहुत लोग मुझसे कहेंगे; ‘हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हमने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत अचम्भे के काम नहीं किए?’ (23) तब मैं उनसे खुलकर कह दूँगा, ‘मैंने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ।’ (लूका 13:27)

पिता की इच्छा को पूरा करना, न कि उसके नाम में किए गए कार्य, वही है जिस पर धैर्य को व्यय किया जाना चाहिए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बहुत से लोग कहेंगे, हे प्रभु, हे प्रभु, और उसके नाम से किए गए अद्भुत कार्यों का उल्लेख करेंगे; परन्तु जो कोई यह कहता है, वह सब प्रवेश नहीं करेगा — केवल वही जो पिता की इच्छा पर चलता है। अपने धैर्य को पिता की इच्छा पर लगाओ, न कि केवल एक नाम पर।)

III. परीक्षा और ताड़ना सहने से क्या उत्पन्न होता है — आनन्द और प्रतिफल

A. 1 पतरस 4:12-13 हे प्रियों, जो दुःख रूपी अग्नि तुम्हारे परखने के लिये तुम में भड़की है, इससे यह समझकर अचम्भा न करो कि कोई अनोखी बात तुम पर बीत रही है। (13) पर जैसे-जैसे मसीह के दुःखों में सहभागी होते हो, आनन्द करो, जिससे उसकी महिमा के प्रगट होते समय भी तुम आनन्दित और मगन हो।

अग्निपरीक्षा का सामना आश्चर्य से नहीं, वरन आनन्द से किया जाता है, क्योंकि यह तुम्हें मसीह के अपने दुखों में सहभागी बनाती है।

B. फिलिप्पियों 4:1 इसलिए हे मेरे प्रिय भाइयों, जिनमें मेरा जी लगा रहता है, जो मेरे आनन्द और मुकुट हो, हे प्रिय भाइयों, प्रभु में इसी प्रकार स्थिर रहो।

जो सहते हैं वे उसके आनंद और मुकुट हैं — दृढ़ रहो।

C. 1 थिस्सलुनीकियों 2:19-20 हमारी आशा, या आनन्द या बड़ाई का मुकुट क्या है? क्या हमारे प्रभु यीशु मसीह के सम्मुख उसके आने के समय, तुम ही न होगे? (20) हमारी बड़ाई और आनन्द तुम ही हो।

धीरज धारण करने से उत्पन्न आनन्द एक मुकुट से जुड़ा है — जिसे उसके आगमन पर आमने-सामने देखा जाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — धीरज धरनेवालों का आनन्द केवल इस वर्तमान समय के लिए ही नहीं है। वे उनका आनन्द और मुकुट हैं जिन्होंने उन्हें सिखाया, और आनन्द का मुकुट हमारे प्रभु यीशु मसीह के आगमन के समय उसकी उपस्थिति में देखा जाता है। इसलिए दृढ़ रहो, और उमड़ते हुए आनन्द से आनन्दित रहो।)

दो के मुख — वचन झूठा

A. लूका 6:22-23 “धन्य हो तुम, जब मनुष्य के पुत्र के कारण लोग तुम से बैर करेंगे, और तुम्हें निकाल देंगे, और तुम्हारी निन्दा करेंगे, और तुम्हारा नाम बुरा जानकर काट देंगे। (23) “उस दिन आनन्दित होकर उछलना, क्योंकि देखो, तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा प्रतिफल है। उनके पूर्वज भविष्यद्वक्ताओं के साथ भी वैसा ही किया करते थे।

उसके नाम के लिए निन्दा सहने पर एक बड़ा प्रतिफल प्रतिज्ञा किया गया है।

B. मत्ती 5:11-12 “धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें और सताएँ और झूठ बोल बोलकर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें। (12) आनन्दित और मगन होना क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा प्रतिफल है। इसलिए कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहले थे इसी रीति से सताया था।

मत्ती अकेले एक शब्द जोड़ता है जो लूका नहीं जोड़ता: "झूठे" — प्रतिफल उस निन्दा के लिए है जो अन्यायपूर्ण है, न कि उस दुःख के लिए जो अपनी ही गलती से आता है।

> *[एक साथ जोड़े गए वचन — कोई भी एक वचन अकेले यह नहीं कहता]*

C. सभोपदेशक 4:12 यदि कोई अकेले पर प्रबल हो तो हो, परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे। जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती।

परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे + जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दो साक्षी कहते हैं कि स्वर्ग में प्रतिफल बड़ा है, और एक तीसरा वचन उन्हें एक साथ बांधता है: तिहरी डोरी जल्दी नहीं टूटती। जो बुराई तुम्हारे विरुद्ध कही जाए, वह उसके नाम के लिये झूठ से कही जाए; तब उस दिन आनन्दित हो, और उछल कूद करो।)

छाया और पूर्णता — सर्वशक्तिमान का ताड़न

Shadow अय्यूब 5:17-18 “देख, क्या ही धन्य वह मनुष्य, जिसको परमेश्वर ताड़ना देता है; इसलिए तू सर्वशक्तिमान की ताड़ना को तुच्छ मत जान। **[H3198 yakach ⚑]** (18) क्योंकि वही घायल करता, और वही पट्टी भी बाँधता है; वही मारता है, और वही अपने हाथों से चंगा भी करता है।

परमेश्वर का सुधार केवल स्वस्थ करने के लिए घायल करता है।

Fulfillment इब्रानियों 12:11 और वर्तमान में हर प्रकार की ताड़ना आनन्द की नहीं, पर शोक ही की बात दिखाई पड़ती है, तो भी जो उसको सहते-सहते पक्के हो गए हैं, बाद में उन्हें चैन के साथ धार्मिकता का प्रतिफल मिलता है। **[G3809 paideia ⚑]**

जिसे अय्यूब सुधार कहता है जो छुटकारा देता है, इब्रानियों उसे कहते हैं — धर्म का शान्तिदायक फल।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पुराना शब्द है याखक (H3198, सुधारता है) — सुधारना, डांटना; नया शब्द है पैदेइया (G3809, ताड़ना) — पिता की पोषण और शिक्षा। अय्यूब कहता है कि वह घायल करता है, और उसके हाथ चंगा करते हैं; इब्रानियों उस चंगाई के फल का नाम लेता है — धार्मिकता का शान्तिमय फल, उनके लिए जो उससे प्रशिक्षित होते हैं। ताड़ना को तुच्छ मत जान: यही वह हाथ है जो चंगा करता है।)

समापन

याकूब 1:12 धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है। **[G5278 hupomeno ⚑]**

धीरज धरने वाला मनुष्य जीवन का मुकुट पाता है।

रोमियों 5:3-5 केवल यही नहीं, वरन् हम क्लेशों में भी घमण्ड करें, यही जानकर कि क्लेश से धीरज **[G5281 hupomone ⚑]** (4) और धीरज से खरा निकलना, और खरे निकलने से आशा उत्पन्न होती है; (5) और आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है।

क्लेश धीरज उत्पन्न करता है → धीरज, अनुभव → अनुभव, आशा + और आशा से लज्जा नहीं होती।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ पूरा अध्ययन एक ही पंक्ति में है: तुम्हारे विश्वास का परीक्षण धीरज उत्पन्न करता है, हुपोमोने (G5281, patience) — काम पूरा होने तक नीचे टिके रहना। यह उत्साह के द्वारा बढ़ाया जाता है; शैतान वचन को छीन लेना चाहता है, परन्तु धीरजवन्त हृदय उसे थामे रखता है। वह खरे सिद्धांत को धारण करता है, झूठे भविष्यद्वक्ता को उसके फलों से पहचानता है, और पिता की इच्छा को पूरा करता है। वह उग्र परीक्षा का सामना आनन्द से करता है, और उस ताड़ना का तिरस्कार नहीं करता जो सम्पूर्ण बनाती है। और उसका अन्त एक मुकुट है: धन्य है वह जो धीरज धरता है, क्योंकि उसे जीवन का मुकुट मिलेगा, और आशा हमें लज्जित नहीं करती। धीरज को अपना सिद्ध कार्य पूरा करने दो, और तुम्हें किसी बात की घटी न होगी।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. याकूब 1:3 — तुम्हारे विश्वास का परखा जाना उत्पन्न करता है:
a) धैर्य
b) भक्ति
c) ज्ञान

2. याकूब 1:12 — जो पुरुष परीक्षा को सहता है वह प्राप्त करेगा:
a) आनन्द का मुकुट
b) जीवन का मुकुट
c) एक महान प्रतिफल

3. 2 पतरस 1:6 — और संयम पर धीरज; और धीरज पर:
a) भाईचारे की कृपा
b) सद्गुण
c) भक्ति

4. लूका 8:12 — तब शैतान आकर उठा ले जाता है:
a) मार्ग के किनारे का बीज
b) उनके हृदयों में से वचन को
c) उनके फल

5. 2 तीमुथियुस 4:3 — क्योंकि वह समय आएगा कि लोग खरे उपदेश को न सह सकेंगे:
a) खरा सिद्धांत
b) अग्निपरीक्षा
c) ताड़ना

6. मत्ती 5:11 — धन्य हो तुम, जब मनुष्य तुम्हारे विरुद्ध सब प्रकार की बुरी बातें कहें,
a) मनुष्य के पुत्र के कारण
b) झूठा, मेरे कारण
c) और तुम्हारे नाम को बुरा जानकर निकाल दें

7. इब्रानियों 12:11 — तौभी उस से पीछे को...
a) अत्यधिक आनंद
b) जीवन का मुकुट
c) धार्मिकता का शांतिदायक फल

उत्तर कुंजी: 1-a, 2-b, 3-c, 4-b, 5-a, 6-b, 7-c

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

वचन को कैसे सुरक्षित रखा जाता है: शैतान उनके हृदय से वचन को उठा ले जाता है (लूका 8:12) यह उन लोगों की ओर ले जाता है, जो ईमानदार और अच्छे हृदय से वचन को सुनकर उसे सुरक्षित रखते हैं, और धीरज से फल लाते हैं (लूका 8:15)।

परिश्रम कैसे निश्चित करता है: सारा परिश्रम करके, अपने विश्वास में जोड़ो (2 पतरस 1:5) यह अगुवाई करता है कि अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चित करने के लिए परिश्रम करो: क्योंकि यदि तुम ये बातें करोगे, तो कभी नहीं गिरोगे (2 पतरस 1:10)।

धीरज प्राण पर किस प्रकार अधिकार रखता है: तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है (याकूब 1:3) यह ले जाता है इस बात की ओर कि अपने धीरज से तुम अपने प्राणों को प्राप्त करोगे (लूका 21:19) — तुम्हें धीरज धरना अवश्य है, कि परमेश्वर की इच्छा पूरी करने के बाद, तुम प्रतिज्ञा को प्राप्त करो (इब्रानियों 10:36)।

कैसे ताड़ना पुत्रों को प्रमाणित करती है: सर्वशक्तिमान की ताड़ना (अय्यूब 5:17) इस बात की ओर ले जाती है कि जिस से प्रभु प्रेम रखता है, उसी को वह ताड़ना देता है, और जिस किसी को वह पुत्र मान लेता है, उसे कोड़े भी लगाता है (इब्रानियों 12:6)।

मुकुट कैसे सुरक्षित रहता है: जीवन का मुकुट (याकूब 1:12) मृत्यु तक विश्वासयोग्य बने रहने की ओर ले जाता है, और मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा (प्रकाशितवाक्य 2:10) — जो कुछ तेरे पास है उसे दृढ़ता से थामे रह, कि कोई तेरा मुकुट न छीन ले (प्रकाशितवाक्य 3:11)।

दुख कैसे समाप्त होता है: मसीह के दुखों में सहभागी होना (1 पतरस 4:13) हमें उस सारे अनुग्रह के परमेश्वर तक ले जाता है, जिस ने हमें मसीह यीशु में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया है, कि जब तुम थोड़ी देर तक दुख उठा चुको, तो वह आप ही तुम्हें सिद्ध करेगा, स्थिर करेगा, बलवन्त करेगा, और तुम्हारी नेव दृढ़ करेगा (1 पतरस 5:10)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).